हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, शनिवार 23 मई 2026

तापमान

अधिकतम 37.0 डिग्री

न्यूनतम 22.0 डिग्री

10 भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल, तापमान ...

10 टंकी बन गई, लेकिन बोर नहीं, हासेल गांव के ...

खबर संक्षेप

7 पंचायतों को मिला टीबी मुक्त सम्मान

जगदलपुर। कोसमी में सुशासन तिहार के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड में दिपेश्वर साहू एवं धनीराम यादव के साथ टीबी मित्र की मेहनत रंग लाई गौरवशाली उपलब्धि सामने आई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बकावंड के सेक्टर बकावंड के कोसमी तुंगापाल पाहुरबेल कौडावंड राजनगर, भेजरीपदर, जैनगिरी टीबी मुक्त पंचायातों में शामिल हुए। इन पंचायतों को जनपद अध्यक्ष सोनबारी भद्रे व जिलापंचायत संदस्य वनवासी मौर्य से टीबी मुक्त ग्राम का प्रमाण पत्र प्रदाय किए गए। पर्यवेक्षक दिनेश पराते, रोहित पांडे एवं कर्मचारी सहित टीम मौजूद रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. प्रियंका सिकरवार, डॉ. सत्यम ठाकुर, विमलेश पैकरा, रागिनी मसीह, अनामिका दुबे, वर्षा सेठिया, दुर्गाकुंवर, साजन सिंग, दिप्ती वर्मा, मीना पीटर, ममता सिकदार, जयमनी कश्यप, सरिता सेठिया, रवि विश्वाल, गायत्री कामड़ी सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी अधिकारी शामिल हुए।

अल्प बचत खाता खोलने विशेष अभियान

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ डाक परिमण्डल के सभी डाकघरों में आगामी 25 और 26 मई को अल्प बचत खाता खोलने का एक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस दो दिवसीय विशेष अभियान के दौरान राज्य का कोई भी नागरिक, जो सुरक्षित और लाभकारी सरकारी योजनाओं में निवेश करना चाहता है, वह लाभ उठा सकता है । निवेशक इसके लिए या तो सीधे अपने नजदीकी डाकघर में जा सकते हैं अथवा राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिकृत एजेंटों के माध्यम से भी अपना निवेश सुनिश्चित कर सकते हैं, जिनकी इस अभियान में सक्रिय सहभागिता रहेगी ।

अब कैंसर नहीं बनेगा बेटियों की राह का रोड़ा

बीजापुर। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित एचपीवी वैक्सीन अब बीजापुर में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी बालिकाओं को निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। शुरुआती झिझक और भ्रम के बाद लोग तेजी से अपनी बेटियों को टीका लगवाने आगे आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अब तक 26 बालिकाएं एचपीवी वैक्सीन लगवा चुकी हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि यह टीका गर्भाशय ग्रीवा सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सबसे सुरक्षित, प्रभावी और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित माध्यम है। उन्होंने कहा कि निजी अस्पतालों में हजारों रुपये में मिलने वाला यह टीका जिला प्रशासन की पहल पर मुफ्त उपलब्ध कराया जा रहा है।

शव दफनाने को लेकर हुए बवाल के बाद विवाद गहराया, एफआईआर की मांग

पूर्व सरपंच व माहरा समाज ने सरपंच पर इसाई मतांतरितों को संरक्षण देने का लगाया आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

लोहण्डीगुड़ा थाना क्षेत्र के चित्रकोट पदरगुड़ा पारा निवासी मंतातरित युवक पुरेन्द्र कुमार बघेल की सड़क हादसे में मौत के बाद शव दफनाने को लेकर भारी बवाल हुआ था। पुलिस व प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद शव को करकापाल में दफनाया गया था। इस घटना के कुछ ही घटें बाद सरपंच समर्थकों द्वारा सोशल मीडिया पर विवादित वीडियो पोस्ट व अपशब्दों के इस्तेमाल को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। इसके विरोध में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ विहिप बजरंग दल ने लोहण्डीगुड़ा थाना पहुंचकर समाज की परम्पराओं से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व सरपंच ने लगाया आरोप

पूर्व सरपंच बुटकी बाई ने वर्तमान सरपंच भंवर मौर्य पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि वे गांव की रीति नीति के खिलाफ जाकर ईसाई धर्म अपनाने वाले लोगों का खुलकर समर्थन कर रहे हैं जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। माहरा समाज के पदाधिकारी घनश्याम नाग ने भी इस कृत्य की निंदा करते हुए समाज की परंपराओं के साथ खिलवाड़ न करने की चेतावनी दी है।

सोशल मिडिया पर वाहवाही लूटने का प्रयास

बजरंग दल जिला सह संयोजक सनी रेली ने बताया कि मामला शांत होने के बाद सोशल मीडिया पर वाहवाही लूटने के उद्देश्य से सरपंच भंवर मौर्य के समर्थकों द्वारा एक वीडियो बनाया गया। इस वीडियो को इंस्टाग्राम आईडी ग्राम पंचायत चित्रकोट से पोस्ट किया गया जिसमें गलत कृत्यों का विरोध करने वाले सामाजिक कार्यकताओं को गांव का माहौल खराब करने आए बेरोजगार दल और सरपंच को शेर के रूप में दशार्या गया। इस पोस्ट के नीचे सरपंच समर्थकों और युवा कांग्रेस के नेता सहित कुछ अन्य दलों के कार्यकतार्ओं द्वारा हिंदू संगठन के पदाधिकारियों के खिलाफ अमर्यादित और अपशब्दों का प्रयोग किया गया जिसके स्क्रीनशॉट पुलिस को सौंपे गए हैं।

जानकारी के मुताबिक चित्रकोट क्षेत्र में तीन दिन पहले ईसाई मतांतरित व्यक्ति की मृत्यु के बाद उपजा विवाद अब थाने तक पहुंच गया है। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने चित्रकोट पंचायत के वर्तमान सरपंच व कॉंग्रेस नेता भंवर मौर्य और उनके समर्थकों के खिलाफ सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और सोशल मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए थाना लोहण्डीगुड़ा व चित्रकोट पुलिस चौकी में एफआईआर दर्ज कराने आवेदन दिया है। माहरा समाज के युवा सिकंदर कश्यप ने कहा कि चित्रकोट क्षेत्र में एक ईसाई मतांतरित व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। मृतक के परिजनों द्वारा शव को ⏭शेष पेज 10 पर

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने महती भूमिका निभाएं : केदार

कर्मठ व समर्पित कार्यकर्ता हैं भारतीय जनता पार्टी की पहचान : किरण देव

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- ग्राम आसना में भाजपा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग संपन्न
- कार्यकर्ताओं को निखारने भाजपा संगठन का पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान

भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्त्ताओं को प्रखर,मुखर व निपुण बनाने संगठनात्मक रूप से निरंतर प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन कर रही है। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अन्तर्गत ग्राम आसना में 21 व 22 मई को भाजपा का दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग हुआ। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव व मंत्री केदार कश्यप शामिल हुए और विभिन्न विषयों पर संबोधन दिया ।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री देव ने प्रशिक्षण वर्ग के महत्व को रेखांकित करते हुये कहा कि भाजपा की पहचान उनके कर्मठ व समर्पित कार्यकर्त्ता है। राष्ट्र सेवा व जनसेवा में भाजपा का कार्यकर्त्ता सदैव अग्रणी भूमिका निभाएं। इस हेतु कार्यकर्त्ताओं को निपुण, प्रवीण और प्रखर बनाने प्रशिक्षण वर्ग आवश्यक है, जो कि संगठन का नियमित कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में भाजपा की रीति नीति, सिद्धांत, कार्य पद्धति से कार्यकर्ता पूर्णतः परिचित व प्रशिक्षित होते है। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्त्ता राष्ट्र सर्वोपरि ⏭शेष पेज 10 पर

राष्ट्र सर्वप्रथम, जनता की सेवा हो सर्वोच्च प्राथमिकता: कश्यप

वन मंत्री केदार कश्यप ने सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में संगठन की भूमिका विषय पर प्रकाश डालते हुये कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे,अंतिम पंक्ति के गरीब परिवार कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सके, इस भावना को साकार रुप देने भाजपा के कार्यकर्त्ता जनता के बीच पहुँच कर कार्य करें। राष्ट्र सर्वप्रथम है और जनता की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनहित की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भाजपा कार्यकर्ता महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें, इससे जनता का जुड़ाव भाजपा के प्रति गहरा होगा।

अन्य ने भी रखी अपनी बात

प्रशिक्षण वर्ग के अन्य सत्रों में प्रदेश प्रवक्ता शिवनारायण पाण्डेय ने हमारा सैद्धांतिक अधिष्ठान विषय पर व प्रदेश प्रवक्ता टेकेश्वर जैन ने भाजपा की कार्यपद्धति विषय पर विस्तार से अपना उद्बोधन दिया। मीडिया प्रबंधन विषय पर प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही, हमारा इतिहास व विकास विषय पर जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा, छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत व धरोहर विषय पर कमलचंद्र भंजदेव, सोशल मीडिया के उपयोग पर दिनेश सुंदरानी ने संबोधन दिया। प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश लाटिया ने देश के समक्ष राजनीतिक व सामाजिक चुनौतियां विषय पर, महापौर संजय पाण्डेय ने विचार परिवार विषय पर, मनोज जैन ने कार्यकर्ता विकास, विक्की रवानी ने स्थायी कार्यक्रम व सुधीर पाण्डेय ने व्यवहारिक सत्र पर अपना संबोधन रखा। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रजनीश पाणिग्रही व परीस बेसरा ने किया।

तारागांव पदमपारा में आधा किमी दूर से लाना पड़ रहा है पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

- बोर और कुआं हुए फेल
- ग्रामीणों ने लगाई मदद की गुहार

चित्रकोट विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत तारागांव पदमपारा में इन दिनों भीषण पेयजल संकट बना हुआ है। पानी की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के पदाधिकारियों को गांव में बुलाकर अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पानी की स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी है। लोगों को आधा किलोमीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ रहा है। गांव में जो बोरवेल था वह भी सूख चुका है, वहीं पुराने बोर को भी निकाल दिया गया है, जिससे समस्या और बढ़ गई है। जिस कुएं का पानी ग्रामीण पीते हैं, वह कुआं भी अब लगभग सूख चुका है, फिर भी मजबूरी में ग्रामीण उसी पानी का उपयोग करने को विवश हैं। महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे रोजाना 2 से 3 घंटे केवल पानी लाने में ही व्यस्त रहते हैं। भीषण गर्मी में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन शासन-प्रशासन अब तक इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है।पदाधिकारियों ने गांव पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। ग्रामीणों ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से उठाया जाएगा। जल्द ही संबंधित विभाग एवं शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर गांव में स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की जाएगी। इस दौरान बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के चित्रकोट विधानसभा ⏭शेष पेज 10 पर

रेत माफियाओं का खनन राज बिना रॉयल्टी दौड़ रहे वाहन

जगदलपुर। जिले के बकावंड ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत बनियागांव के आश्रित ग्राम बेलगांव में अवैध रेत खनन किया जा रहा है। नदी से खुलेआम रेत निकाली जा रही है और बिना किसी वैध अनुमति एवं रॉयल्टी के ट्रैक्टरों के जरिए उसका परिवहन किया जा रहा है। दिन ढलते ही नदी किनारों पर ट्रैक्टरों की कतार लग जाती है और देर रात तक रेत का परिवहन जारी रहता है।

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यहां प्रतिदिन 100 से अधिक ट्रैक्टर अवैध रूप से रेत लेकर निकल रहे हैं। बिना रॉयल्टी और पिट पास के ट्रैक्टरों से खुलेआम परिवहन जारी है। लगातार हो रहे अवैध खनन से नदी-नालों ⏭शेष पेज 10 पर

रेल पटरी पर चल रहा युवक मालगाड़ी से टकराया, गंभीर

जगदलपुर। परपा थाना क्षेत्र के कुमारमारेंगा के करीब शुक्रवार सुबह मालगाड़ी से टकराने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पटरी पर चल रहे युवक को देख कर मालगाड़ी के लोको पायलट ने तत्काल ब्रेक दबाया बावजूद ट्रेन से टकराने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुचाया। एक दिन पूर्व इसी क्षेत्र में एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी।

- लोको पायलट ने समय रहते ब्रेक दबाया, तब बाल बाल बची जान
- मानसिक रोगी था युवक, उपचार के लिए मेकाज में भर्ती

जानकारी के मुताबिक ग्राम कुमार मारेंगा में सुबह मालगाड़ी के लोको पायलट

ने पटरी में युवक को आता देख ब्रेक लगा दिया। लेकिन इसके बाद भी युवक ट्रेन से टकरा गया। इस हादसे में युवक को चोट आई जिसे उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया है। परपा थाना प्रभारी ने बताया कि ग्राम सरगीपाल के जुनापारा में रहने वाला नीलकंठ बघेल 27 वर्ष वगत 2 वर्षों से मानसिक ⏭शेष पेज 10 पर

मोबाइल टॉवर में लगे सप्लाई कॉपर वायर चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नगरनार थाना क्षेत्र के उलनार में लगे एलटीएस कम्पनी के मोबाइल टॉवर से कॉपर वायर चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी 1.330 किलो कॉपर वायर के अलावा चोरी में प्रयुक्त बाइक भी जब्त किया गया है। कॉपर वायर चोरी होने से इलाके में नेटवर्क बंद हो गया था जिससे लोगों को परेशानी हो रही थी।

चोरी की रिपोर्ट दर्ज होते ही आरोपी कि गिरफ्तारी के लिए एसपी शलभ कुमार सिन्हा, एएसपी महेश्वर नाग के निर्देश व सीएसपी सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया था। टीआई ने बताया कि प्रार्थी पुष्पेन्द्र सिंह तोमर निवासी रहंक थाना चिकासी जिला हमीरपुर उत्तरप्रदेश हाल पता शांतिनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि एलटीएस कंपनी का मोबाइल

टावर ग्राम उलनार में लगा हुआ है जिसमें लगे कॉपर वायर लगभग 20 मीटर कीमत 20 हजार रूपए को 11 मई की सुबह अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। सप्लाई कॉपर वायर चोरी होने के कारण इलाके में नेटवर्क बंद हो गया है। टीम द्वारा आरोपी का पता लगाया जा रहा था। विवेचना के दौरान ग्राम चोकावाड़ा मोबाईल टावर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति के बाईक से आकर चोरी करने के नियत से घूम रहा है पता लगा। टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर ⏭शेष पेज 10 पर

इन्द्रावती टाइगर रिजर्व खुलने से पर्यटक वन्य जीवों का कर पाएंगे दीदार

आईटीआर से जुड़े मट्टीमारका में रात में भी रह सकेंगे पर्यटक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बीजापुर जिले में स्थित इंद्रावती टाइगर रिजर्व 40 सालों से पर्यटकों से दूर रहा है। लेकिन अब नक्सलवाद के खात्मे के बाद अंदरूनी इलाके में उम्मीद की किरण जगी है। पर्यटकों के लिए आईटीआर खोलने का प्लान किया जा रहा है, ताकि लोग यहां की प्राकृतिक सुन्दरता का दीदार कर सकें। इंद्रावती टाइगर रिजर्व में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने के बाद पर्यटकों के लिए नई इको-टूरिज्म योजना शुरू की गई है। इसके तहत अब पर्यटक मट्टीमारका में रात भी रुक सकेंगे, यहां इंद्रावती नदी के तट पर टूरिज्म विलेज विकसित किया जा रहा है। मट्टीमारका उन प्रमुख क्षेत्रों में से एक है जहां पर्यटकों की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। पर्यटक अब मट्टीमारका और इंद्रावती नदी के तट पर रात में रुककर जंगल और वन्यजीवों का रोमांच अनुभव कर सकेंगे। भोपालपटनम से लगभग 20 किमी दूर मटटीमारका में इंद्रावती नदी किनारे है। यहां साल भर में लगभग 50 हजार पर्यटक ⏭शेष पेज 10 पर

अलग खबर

अछूते सौंदर्य को दुनिया के सामने लाने का प्रयास

आईटीआर के निदेशक संदीप बलगा ने बताया कि क्षेत्र में माओवादी खतरा कम होने पर इंद्रावती टाइगर रिजर्व पर पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि पर्यटन के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके और बस्तर के इस अछूते सौंदर्य को दुनिया के सामने लाया जा सके।

इको-टूरिज्म योजना पर हो रहा काम

इन्द्रावती टायगर रिजर्व जगदलपुर वन्यजीवन के क्षेत्रीय निदेशक एवं मुख्य वन संरक्षक स्टायलो मण्डावी ने बताया कि क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों में आई भारी कमी और सुरक्षा बलों की बढ़ती पकड़ के बाद, सरकार अब यहां इको-टूरिज्म और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। विभाग एक व्यापक इको-टूरिज्म योजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत इंद्रावती नदी के तट पर एक टूरिज्म विलेज विकसित किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय जनजातीय संस्कृति और वन परिदृश्य के माध्यम से पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करना है।

खबर संक्षेप

ओबीसी कांग्रेस को मिला नया नेतृत्व, भगवती बनीं जिलाध्यक्ष

कोण्डागांव। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग द्वारा

छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। जारी सूची में कोंडागांव जिले की कमान वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्रीमती भगवती पटेल को सौंपते हुए उन्हें ओबीसी कांग्रेस का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भगवती पटेल की नियुक्ति के बाद जिले के कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं और बधाई दी है। श्रीमती भगवती पटेल पूर्व में जिला पंचायत कोंडागांव की उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। वे क्षेत्र में एक सक्रिय और दबंग महिला नेत्री के रूप में जानी जाती हैं। भगवती की नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को मिली आर्थिक सहायता

कोण्डागांव। कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना द्वारा प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।राजस्व पुस्तक परिपत्र 6–4 के अंतर्गत कोण्डागांव तहसील के ग्राम आलबेड़ा निवासी जितेन्द्र की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। मृतक के पुत्र दिनेश, मनीष तथा पुत्री मनीषा और लक्ष्मी को कुल 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा संबंधित तहसीलदार को निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत सहायता राशि वारिसों के बैंक खातों में शीघ्र हस्तांतरित की जाए।

भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल, तापमान पहुंच गया 41 डिग्री पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ केशकाल

दोपहर को सड़कों पर पसरा सन्नाटा, कारोबार हो रहा प्रभावित

गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सूर्य की किरणों से धरती तप रही है और आसमान से आग बरस रही है। शुक्रवार को केशकाल का अधिकतम तापमान 41 डिग्री तक़ पहुंच चुका है।

तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित किया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा, जबकि आवश्यक कार्य से बाहर निकलने वाले लोग सिर ढंककर और पानी की बोतल साथ लेकर चलते नजर आए।

सुबह से ही सूरज की तीव्रता का अनुभव होने लगा था और जैसे-जैसे दिन चढ़ा, गर्मी का असर और बढ़ता गया। दोपहर में बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम रही। गर्म हवाओं के कारण राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रात में भी न्यूनतम तापमान 30 डिग्री रहने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत नहीं मिली।

दोपहर 12 से 3 बजे तक घर से न निकलें

चिकित्सकों ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक धूप में निकलने से बचें, अधिक पानी पिएं और हल्का भोजन करें। डा. डुमेश यादव ने बताया कि तेज धूप में निकलने से पहले सिर को गमछा, टोपी या छाता से ढंककर निकलें।

जल जीवन मिशन की लापरवाही : मर्दापाल क्षेत्र के हथकली पंचायत के हासेल में पेयजल संकट गहराया

टंकी बन गई, लेकिन बोर नहीं, हासेल गांव के लोग आज भी झरिया का पानी पीने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

जिले के मर्दापाल क्षेत्र अंतर्गत हथकली पंचायत के आश्रित ग्राम हासेल में जलसंकट ने ग्रामीणों की जिंदगी मुश्किल बना दी है। शासन की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना यहां सिर्फ कागजों और अधूरे ढांचे तक सिमटकर रह गई है। गांव में पानी टंकी का निर्माण कार्य महीनों पहले पूरा हो चुका है, लेकिन आज तक उसमें पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंचा है। सबसे हैरानी की बात यह है कि जिस टंकी से गांव को पेयजल आपूर्ति होनी थी, उसके लिए अब तक बोर की खुदाई ही नहीं कराई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब पानी का स्रोत ही तैयार नहीं हुआ, तो पानी आखिर पहुंचेगा कैसे।

- नदी किनारे झरिया खोदकर पानी भरते हैं बच्चे, खराब पड़े हैंडपंपों से बढ़ी परेशानी

ग्रामीणों के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत गांव में पानी टंकी का निर्माण कई महीने पहले पूरा कर लिया गया था। पाइपलाइन और अन्य ढांचागत कार्य भी दिखाई देते हैं, लेकिन योजना आज तक चालू नहीं हो सकी। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण अब तक बोर खनन नहीं कराया गया, जिससे पूरी योजना अधर में लटक गई है। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा।

नदी किनारे झरिया खोदकर पानी भरने को मजबूर बच्चे

गांव में पेयजल संकट की भयावह तस्वीर उस समय सामने आई, जब तपती दोपहर में दो छोटे बच्चे गांव के पास बह रही नदी में झरिया खोदकर पानी भरते नजर आए। नदी की रेत में छोटा गड्ढा बनाकर रिसने वाले पानी को बर्तनों में भरना ग्रामीणों की मजबूरी बन चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि यही पानी पीने और घरेलू उपयोग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि गर्मी बढ़ने के साथ जलस्रोत भी सूखते जा रहे हैं।

दो हैंडपंप खराब, बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

गांव में लगे हैंडपंपों में से दो खराब हो चुके हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद मरम्मत नहीं होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जो हैंडपंप चालू हैं, वहां भी पानी के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। महिलाओं और बच्चों को प्रतिदिन दूर–दूर तक पानी लाने जाना पड़ रहा है, जिससे उनका समय और श्रम दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

ग्रामीणों में नाराजगी प्रशासन से कार्रवाई की मांग

ग्रामवासियों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से जल्द से जल्द बोर खनन कर जलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो गर्मी के मौसम में हालात और गंभीर हो सकते हैं। ग्रामीणों ने खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत और जल जीवन मिशन योजना को शीघ्र चालू कराने की मांग करते हुए कहा कि केवल टंकी बन जाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, जब तक घरों तक पानी नहीं पहुंचेगा।

उरंदाबेड़ा शिविर में 25 हितग्राहियों को दी गई पीएम आवास की चाबी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

विकासखंड के ग्राम उरंदाबेड़ा में आयोजित जिला स्तरीय सुशासन तिहार शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 25 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई तथा 28 जॉब कार्ड वितरित किए गए।

- ग्राम उरंदाबेड़ा में आयोजित जिला स्तरीय सुशासन तिहार शिविर में लोगों को मिला लाभ

शिविर में जिला पंचायत सदस्य जयलाल नाग, जनपद सदस्य निर्मल नाग, श्रीमती रामबती नेताम, जुगधर मरावी, सुकड़राम मंडावी एवं सरपंच मंगलूराम नाग उपस्थित रहे। वहीं प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, एसडीएम अश्वन पुसाम, जनपद पंचायत सीईओ रूपेंद्र नेताम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। राजस्व विभाग द्वारा बी-1 खसरा, निवास प्रमाण पत्र और डिजिटल किसान किताब वितरित की गई। समाज कल्याण विभाग ने ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र एवं वॉकर प्रदान किए, वहीं स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र जारी किए। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र तथा खाद्य विभाग ने राशन कार्ड वितरित किए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर शासन की पहल की सराहना की।

राहुल और दीपक के खिलाफ भाजयुमो का प्रदर्शन, कांग्रेस नेताओं का पुतला दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

भाजपा युवामोर्चा कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ नगर में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का पुतला लेकर बाइक रैली नि का ली और कांग्रेस के खिलाफ ज म क र ना रे बा जी की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेताओं के हा लि या बयानों को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए उनकी कड़ी आलोचना की। प्रदर्शन के दौरान युवामोर्चा कार्यकर्ताओं ने कहा कि भारतीय राजनीति में मर्यादा, शालीनता और सामाजिक सद्भाव का विशेष महत्व है, लेकिन कांग्रेस नेताओं के बयान इन मूल्यों के विपरीत दिखाई दे रहे हैं।

- शहर में बाइक रैली निकालकर किया विरोध, पुतला लेकर की नारेबाजी
- कांग्रेस नेताओं की भाषा में दिख रही हताशा : जैन

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मनोज जैन ने कहा कि लगातार चुनावी पराजय के कारण कांग्रेस नेताओं की भाषा और व्यवहार में हताशा स्पष्ट नजर आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब जनता के बीच भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है। मनोज जैन ने कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस नेता एक ओर बैलगाड़ी में बैठकर विरोध प्रदर्शन करते हैं, जबकि दूसरी ओर अपने नेताओं के जन्मदिन बड़े वाहन काफिलों के साथ मनाते हैं। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने नगर के प्रमुख मार्गों पर बाइक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान राहुल गांधी और दीपक बैज के पुतले लेकर कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारे लगाए और पार्टी की नीतियों का विरोध किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद

प्रदर्शन में नगर पालिका उपाध्यक्ष जसकेतु उसेण्डी, संतोष पात्रे ,मंडल अध्यक्ष कुलवंत चहल, विकास दुआ, प्रदीप नाग, संतोष सिंह, सती बघेल, सुमन शुक्ला, टिंकू साहू, धनंसूदास, अविनाश सोरी, गोविंद रामटेके, आकाश नेताम, सागर देवांगन, विनय यादव, मयंक भोसले, संजू मंडावी सहित भाजपा युवामोर्चा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेज 9 के शेष...

शव दफनाने को लेकर...

ईसाई मुक्तिधाम ले जाने के बजाय हिंदू समाज के मुक्तिधाम में कफन दफन करने की योजना कर रहे थे। स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के जिला व स्थानीय पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों और समाज प्रमुखों की उपस्थिति में हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अन्य धर्म के व्यक्ति का अंतिम संस्कार हिंदू समाज के मुक्तिधाम में नहीं होने दिया जाएगा। इस दौरान चित्रकोट के वर्तमान सरपंच भंवर मौर्य ने नियमों के विपरीत जाकर ईसाई मतांतरित परिवार का पक्ष लिया जिसका स्थानीय ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया था। इसके बाद प्रशासन के हस्तक्षेप और भारी विरोध के बाद मृतक के शव को जगदलपुर के करकापाल स्थित ईसाई कब्रिस्तान में कफन दफन किया गया था। इस दौरान अजय बघेल, नानीराम, किशोर सुर, झितरू कश्यप, कोसरु कश्यप, रुपनाथ कश्यप, लछिंद कश्यप, जनिल ठाकुर, मनीराम कावड़े, रतिराम चौहान, मानकुराम, जगत राम नाग, अनिल नाग, सिकंदर कश्यप, घनश्याम नाग, होमेश राठौर, योगेश रेली, मुन्ना बजरंगी, विवेक शुक्ला, गुड्डू, सहदेव, विनोद पटेल सहित बड़ी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता और चित्रकोट के ग्रामवासी उपस्थित थे।

कर्मठ व समर्पित कार्यकर्ता...

की भावना से कार्य करता है, संगठन को सशक्त रुप देने सदैव समर्पित भाव रखता है। प्रशिक्षण वर्ग में पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय, विधायक विनायक गोयल, डा. सुभाऊ कश्यप, बैदूराम कश्यप, लच्छू राम कश्यप, जिपं अध्यक्ष वेदवती कश्यप, रामाश्रय सिंह, खेमसिंह देवांगन, बलदेव मण्डावी, आर्येंद्र सिंह आर्य, नरसिंह राव, ललिता बघेल, सफीरा साहू, रामकुमारी यादव, सुब्रतो विश्वास, फूलसिंह सेठिया,किरण सेन, खीतेश मौर्य, प्रदीप देवांगन, रोहित त्रिवेदी, राजपाल कसेर, विपिन मालवीय, प्रकाश झा, अविनाश श्रीवास्तव, तरूण पाण्डेय, महेन्द्र सेठिया, प्रवीण सांखला, शिवराम मण्डावी, पुरूषोत्तम जोशी,संतोष बघेल, माहेश्वरी ठाकुर, योगेश सिंह ठाकुर, अभिलाष यादव सहित अन्य भाजपाई मौजूद रहे।

तारागांव पदमपारा में...

अध्यक्ष कमल बघेल, जिला महामंत्री संतु कश्यप, युवा अध्यक्ष सूरज कश्यप, पाकलू कश्यप, कुंवर मंडावी, सुकलु मांडवी, बुटलु एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रशासन से पानी उपलब्ध कराने की मांग

ग्राम तारागांव पदमपारा में तत्काल नए बोरवेल का निर्माण किया जाए, सूख चुके एवं खराब जलस्रोतों की जल्द मरम्मत कर चालू किया जाए। गांव में नल-जल योजना को तत्काल चालू किया जाए, नियमित पेयजल सप्लाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। गर्मी के मौसम में टैंकर के माध्यम से तत्काल पानी उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी जल योजना लागू कर भविष्य में पानी संकट से राहत दिलाई जाए।

रेत माफियाओं का...

की संरचना बिगड़ने लगी है। ग्रामीणों को जलस्तर गिरने और भविष्य में जल संकट बढ़ने की चिंता सता रही है। वहीं भारी ट्रैक्टरों की लगातार आवाजाही से गांव की सड़कें भी खराब हो रही हैं। जिला खनिज अधिकारी शिखर चेरपा ने बताया कि हाल ही में जांच दल ने बेलगांव रेत घाट एवं बजावण्ड क्षेत्र में कार्रवाई की। दल द्वारा किए गए औचक निरीक्षण के दौरान गौण खनिज रेत का अवैध परिवहन कर रहे 4 वाहनों को पकड़ा गया। एक महीने में लगभग 10 से अधिक वाहनों को पकड़ा गया है।

पटरी में चल रहा...

रूप से बीमार है जिसका परिजनों के द्वारा उपचार कराया जा रहा है। रोजाना की तरह आज सुबह भी नीलकंठ बिना परिजनों को बताए घर से निकल गया। युवक चलते-चलते पटरी पर आ गया और सामने से आ रही मालगाड़ी को देखने के बाद भी नहीं हटा। ट्रेन पायलट ने जब युवक को सामने से आता देखा तो उसे हटने के लिए कई बार इशारा करने के साथ ही आवाज भी लगाई। लेकिन युवक को पटरी से हटता नहीं देख कर हड़बड़ी में ब्रेक मार दिया। उसके बाद भी नीलकंठ ट्रेन से जा टकराया। इस हादसे में युवक को चोट लगी। घायल को आसपास के लोगों की मदद से उपचार के लिए डिमरापाल मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां उसका उपचार जारी है। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम उसका उपचार कर रही है। चिकित्सकों के अनुसार घायल युवक की हालत अब स्थिर है।

मोबाइल टॉवर में...

संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम लखन बेन उर्फ राहुल नायडु निवासी महावीर नगर धरमपुरा कुशाभाउ ठाकरे वार्ड क्रमांक 48 अटल आवास का रहने वाला बताया। उसके कब्जे से वायर काटने का आरी कटर बरामद किया गया। पूछताछ में उसने उलनार मोबाइल टावर में लगे सप्लाई कॉपर वायर को आरी कटर से काटकर चोरी करना कबुल किया। आरोपी कि निशानदेही पर 1.330 किलोग्राम कॉपर वायर व घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल को जब्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

आईटीआर से जुड़े मट्टीमारका...

पहुंचकर पिकनिक करते है, जहां रिजर्व की ओर से पर्यटकों की अनुमति दी गई पर रात में मनाही है, पर आईटीआर की ओर प्रयास किया जा रहा है कि पर्यटक रात में दीदार कर पाएंगे। पर्यटकों को जनजातीय संस्कृति और शानदार प्राकृतिक नजारों का अनुभव कराने के लिए विशेष टूरिज्म विलेज और कैंपिंग की सुविधा दी जाएगी। पर्यटकों को गाइड की मदद से जंगल की सैर कराई जाएगी, जहां बाघ, तेंदुए और छत्तीसगढ़ के राजकीय पशु वनभैंसा को देखने का अवसर मिलेगा। बस्तर संभाग में दशकों तक माओवादी गतिविधियों के साये में रहने वाला इंद्रावती टाइगर रिजर्व अब एक बार फिर पर्यटकों के लिए अपने द्वार खोलने जा रहा है। बताया जा रहा है कि पर्यटकों के प्रवेश के लिए कुटरू-फरसेगढ़ और भोपालपटनम-मट्टीमारका मार्ग को विकसित किया जा रहा है।

कोंडागांव पहुंचकर किसानों ने किया जैविक और हर्बल खेती मॉडल का अध्ययन

बस्तर मॉडल की गूंज: राजस्थान के 700 से अधिक किसान जुड़े 'मां दंतेश्वरी हर्बल समूह' से

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

बस्तर की धरती पर विकसित जैविक और हर्बल खेती मॉडल को अब राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलने लगी है। राजस्थान से आए 700 से अधिक प्रगतिशील जैविक किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने कोंडागांव स्थित मां दंतेश्वरी हर्बल फार्म एवं रिसर्च सेंटर का विस्तृत अध्ययन करने के बाद मां दंतेश्वरी हर्बल समूह की सदस्यता ग्रहण की।

- डॉ. राजाराम त्रिपाठी के नवाचारों से प्रभावित होकर लिया समूह की सदस्यता का निर्णय

कृषि नवप्रवर्तक, पर्यावरणविद् एवं मां दंतेश्वरी हर्बल समूह के प्रमुख डॉ. राजाराम त्रिपाठी द्वारा विकसित कृषि नवाचारों ने राजस्थान, उड़ीसा और महाराष्ट्र से आए किसानों को बेहद प्रभावित किया। प्रतिनिधिमंडल ने पूरे दिन फार्म का भ्रमण कर जैविक खेती, हर्बल फसलों, मसाला उत्पादन और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों का गहन अध्ययन किया। किसानों ने विशेष रूप से बस्तर में विकसित काली मिर्च, स्टीविया, सफेद मूसली और अन्य औषधीय फसलों की खेती पद्धति को नजदीक से समझा।

फार्म में विकसित उच्च उत्पादकता वाली काली मिर्च की विशेष किस्म "मां दंतेश्वरी ब्लैक पेपर–16" प्रतिनिधिमंडल के आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। किसानों को बताया गया कि यह किस्म सामान्य भारतीय प्रजातियों की तुलना में कई गुना अधिक उत्पादन देने की क्षमता रखती है। कम सिंचाई वाले गर्म क्षेत्रों में भी सफलतापूर्वक उगाई जा सकती है। राजस्थान से आए किसानों ने इसे भविष्य की लाभकारी मसाला खेती का मजबूत विकल्प बताया।

नेचुरल ग्रीनहाउस मॉडल ने बढ़ाई उत्सुकता

भ्रमण के दौरान "नेचुरल ग्रीनहाउस" मॉडल ने भी किसानों का ध्यान खींचा। पेड़ों और प्राकृतिक संरचनाओं की सहायता से विकसित इस मॉडल को महंगे पॉलीहाउस का पर्यावरण अनुकूल और कम लागत वाला विकल्प बताया गया। डॉ. त्रिपाठी ने किसानों को जानकारी दी कि जहां सामान्य पॉलीहाउस पर प्रति एकड़ लगभग 40 लाख रुपये तक खर्च आता है, वहीं प्राकृतिक ग्रीनहाउस मॉडल बेहद कम लागत में टिकाऊ समाधान प्रदान करता है।

अब उत्पादन से मार्केटिंग तक मिलकर करेंगे काम

फार्म भ्रमण के बाद आयोजित विशेष बैठक में राजस्थान के किसानों ने सामूहिक रूप से "मां दंतेश्वरी हर्बल समूह" के साथ मिलकर कार्य करने का निर्णय लिया। इसके तहत किसान जैविक, हर्बल एवं मसाला खेती के क्षेत्र में उत्पादन, तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण और मार्केटिंग को साझा रणनीति के तहत आगे बढ़ाएंगे।

किसानों का अनुभव किसी प्रयोगशाला से कम नहीं : डॉ. त्रिपाठी

इस अवसर पर डॉ. राजाराम त्रिपाठी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा नई तकनीकों और विज्ञान से जुड़ना चाहिए, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है सफल किसानों के अनुभवों से सीखने की विनम्रता। वर्षों तक खेत में पसीना बहाने वाले किसानों का अनुभव किसी भी प्रयोगशाला से कम महत्वपूर्ण नहीं होता। उन्होंने कहा कि खेत की मिट्टी से निकला अनुभव कई बार बड़े वैज्ञानिक प्रयोगों से भी अधिक व्यावहारिक और उपयोगी साबित होता है।

पाठक सूचना

केशकाल एवं आस-पास के क्षेत्रों में हरिभूमि समाचार पत्र के स्थान पर कोई अन्य अखबार मिल रहा हो साथ ही समाचार पत्र, विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें

संवाददाता : चिराग उपाध्याय

उपाध्याय न्यूज एजेंसी

पता : केशकाल

मो. 89826 62810

खबर संक्षेप

शिविर में 8 आवेदन का मौके पर निराकरण

दंतेवाड़ा। सुशासन तिहार अभियान के तहत ग्राम पंचायत बड़ेपेनड़ा में 15 ग्राम पंचायतों जावंगा, नागुल, हिरोली, कटुलनार, माड़पाल, मड़से, हाउरनार, बड़ेपनेड़ा 1, बड़ेपनेड़ा 2, गुमड़ा, हारला, हारम 1, हारम 2, हिरानार 1, हिरानार 2, जोड़ातराई का संयुक्त शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए तथा अपनी समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों से संपर्क किया। शिविर के दौरान कुल 386 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 8 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। जबकि अन्य लंबित आवेदनों के निराकरण हेतु समय सीमा निर्धारित की गई है। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण भी किया गया।

उसूर को राष्ट्रीय स्तर पर मिला द्वितीय स्थान

बीजापुर। जिले के लिए गौरव का विषय है कि नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित चैम्पियन आफ चेंज कार्यक्रम अंतर्गत अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में विकासखण्ड उसूर ने सेंट्रल इंडिया जोन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले में विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों, सतत मॉनिटरिंग एवं जनकेंद्रित विकास गतिविधियों का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत संरचना तथा सामाजिक विकास जैसे विभिन्न मानकों पर विकासखण्डों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है। उक्त रैंकिंग में उसूर विकासखण्ड ने विभिन्न विभागों की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सामूहिक प्रयासों के आधार पर उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। इस उपलब्धि के पीछे जिले द्वारा अपनाए गए 3 सी मॉडल अभिसरण, सहयोग एवं प्रतिस्पर्धा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले में विभिन्न विभागों के मध्य विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं का अभिसरण किया गया, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं परिणाम आधारित कार्य संस्कृति विकसित हुई। अभिसरण के अंतर्गत स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायत, शिक्षा, कृषि एवं अन्य विभागों के कार्यक्रमों को समेकित रूप से क्रियान्वित किया गया। सहयोग के माध्यम से मैदानी अमले, जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई।

2 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में संगठन की मजबूती और राष्ट्र निर्माण पर जोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत 2 दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का आज शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश से पहुंचे वरिष्ठ वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा

■ जनता के बीच जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का किया आह्वान

और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को विस्तारपूर्वक बताया। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन दीप प्रज्वलन एवं भारत माता तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी ने कहा कि भाजपा

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का शुभारंभ

केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम है। कार्यकर्ताओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं और संगठन की विचारधारा पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

सुश्री लता उसेंडी ने संगठन की मजबूती, अनुशासन, सेवा कार्य, बूथ सशक्तिकरण तथा जनसंपर्क को लेकर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सक्रियता के साथ जनता के बीच जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण वर्ग में विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें संगठनात्मक संरचना, सोशल मीडिया की भूमिका, राष्ट्रवादी विचारधारा तथा कार्यकर्ता विकास जैसे विषय शामिल रहे। इस प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश उपाध्यक्ष जी वेंकट, प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन, प्रदेश वक्ता शिवनारायण पांडेय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किरण उसेंडी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं निवर्तमान जिला अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार, संगठन प्रभारी दीपेश अरोरा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण वर्ग का अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने किया।

प्रशिक्षण का रूपरेखा भाजपा जिला महामंत्री फूलचंद गागड़ा ने संभाला। संगठन सशक्तिकरण और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने। प्रशिक्षण वर्ग में बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण में जिले भर से भाजपा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा की बहने सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जंगलों- पहाड़ों के बीच पहुंचा प्रशासन

जन चौपाल में सुनी गई हर आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

बीजापुर के सुदूर और संवेदनशील ग्रामीण इलाकों में प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी एक बार फिर देखने को मिली, जब कलेक्टर विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव और जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने ग्राम पंचायत सागमेटा, सण्ड्रा, एडापल्ली और पीलूर पहुंचकर जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। प्रशासनिक अधिकारियों के गांव पहुंचने से ग्रामीणों में उत्साह और भरोसे का माहौल दिखाई दिया। जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने सड़क

■ कलेक्टर ने युवाओं संग खेला क्रिकेट

निर्माण, राशन वितरण में आ रही समस्याएं, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, आवागमन की दिक्कत, शिक्षा और अन्य मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े मुद्दे अधिकारियों के सामने रखे। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कलेक्टर विश्वदीप ने मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को किसी भी सुविधा के लिए परेशान नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर ने विशेष रूप से बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के तहत शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र ग्रामीणों को सभी आवश्यक दस्तावेज सरलता और सुगमता से उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र में चल रहे जनगणना कार्य की भी जानकारी ली। ग्रामीणों को जनगणना के महत्व, उसकी उपयोगिता और शासन की योजनाओं से उसके सीधे संबंध के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करें, ताकि विकास योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक सहभागिता और आपसी सहयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र में शांति, विश्वास और विकास का वातावरण मजबूत होगा।

वहीं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे ने पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और गति बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

जन चौपाल के दौरान कई ग्रामीणों ने खुलकर अपनी समस्याएं और सुझाव प्रशासन के सामने रखे। अधिकारियों ने भी गंभीरता से हर मुद्दे को सुना और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय बाद प्रशासनिक अधिकारी स्वयं गांव पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं, जिससे लोगों में विश्वास और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।

इस दौरे का सबसे भावनात्मक और प्रेरणादायक दृश्य ग्राम सण्ड्रा में देखने को मिला, जब कलेक्टर विश्वदीप गांव के युवाओं के साथ क्रिकेट मैदान में उतरे। कलेक्टर ने युवाओं के साथ क्रिकेट खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें खेल, शिक्षा एवं सकारात्मक सोच के माध्यम से समाज और जिले के विकास में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बीजापुर में सकारात्मक बदलाव और नई विकास यात्रा के सबसे बड़े भागीदार यहां के युवा ही होंगे।

कलेक्टर को अपने बीच सहज रूप में देखकर ग्रामीण और युवा बेहद उत्साहित नजर आए। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब अधिकारी गांवों तक पहुंचकर सीधे संवाद करते हैं, तब लोगों की समस्याओं का समाधान तेजी से संभव हो पाता है और शासन के प्रति भरोसा भी मजबूत होता है।

मनाई गई भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

जिला मुख्यालय सुकमा स्थित राजीव भवन में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई। कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरीश कवासी लखमा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी, नगर कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयुआई और सेवादल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्वप्रथम राजीव गांधी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को याद किया गया। इसके बाद गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिला अध्यक्ष हरीश कवासी लखमा ने कहा राजीव गांधी सिर्फ एक प्रधानमंत्री नहीं, आधुनिक भारत के निर्माता थे। 21वीं सदी में भारत को ले जाने का सपना उन्होंने देखा था। आज देश में जो कंप्यूटर क्रांति, टेलीकॉम क्रांति, पंचायती राज व्यवस्था और 18 साल में वोट का अधिकार है, वो राजीव की देन है। उन्होंने देश की एकता-अखंडता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। आज जब देश में नफरत का माहौल बनाने की कोशिश हो रही है, तब राजीव के सद्भाव, भाईचारे और शांति के संदेश को घर-घर पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हम सब कांग्रेसजन संकल्प लेते हैं कि राजीव के सपनों का भारत बनाएंगे। बस्तर-सुकमा के अंतिम व्यक्ति तक विकास, शिक्षा और तकनीक पहुंचाएंगे। यही हमारा लक्ष्य है।

पुण्यतिथि के अवसर पर कांग्रेसजनों ने आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने का संकल्प लिया गया। नगर अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन ने कहा राजीव ने देश को युवाओं का देश बनाया। हमें उनके रास्ते पर चलकर सुकमा को शिक्षा और तकनीक का हब बनाना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता, महिला कांग्रेस अध्यक्ष, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सहित सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर हुई समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दंतेवाड़ा

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर में स्वच्छता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर कचरा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में 20 मई से 15 जून तक विशेष स्वच्छता अभियान संचालित

किया जाएगा। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगें। साथ ही स्वच्छता गतिविधियों, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा पृथक्करण, साफ-सफाई एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्य किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना है।

बैठक में जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के विकासखंड समन्वयक, यूनिसेफ जल एवं स्वच्छता टीम, युवोदय जिला अधिकारी, वालंटियर्स तथा विकासखंड समन्वयक उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अभियान के दौरान सभी ग्राम पंचायतों में नियमित मॉनिटरिंग करते हुए स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए।

एनएमडीसी में युवाओं को मिलेगा इंटर्नशिप का अवसर

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन दंतेवाड़ा एवं माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में जिले के शिक्षित एवं कुशल युवाओं के लिए 23 मई को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष शिविर के माध्यम से स्थानीय युवाओं को प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम एनएमडीसी दंतेवाड़ा में इंटर्नशिप प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत चयनित प्रशिक्षुओं को प्रतिमाह 9 हजार रुपये का स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। साथ ही वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में 6 हजार रुपये की एकमुश्त नियुक्ति प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य युवाओं को उद्योगों से जोड़कर उन्हें रोजगारोन्मुखी अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

महतारी वंदन योजना की केवाईसी व्यवस्था फेल, महिलाएं हो रहीं परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

ग्राम पंचायत बड़े चकवा के उप सरपंच पूरन सिंह कश्यप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर छत्तीसगढ़ सरकार एवं प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदना योजना का उद्देश्य प्रदेश की माताओं एवं बहनों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है, लेकिन वर्तमान में केवाईसी प्रक्रिया को लेकर शासन-प्रशासन की लापरवाही के कारण ग्रामीण महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा केवाईसी अनिवार्य तो कर दिया गया है, लेकिन गांव स्तर पर इसकी कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। न पंचायतों में शिविर लगाए जा रहे हैं, न ही ग्रामीण क्षेत्रों में कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है। इसके चलते गरीब एवं आदिवासी महिलाएं कई किलोमीटर दूर जाकर निजी दुकानों और ऑनलाइन केंद्रों में पैसे खर्च कर केवाईसी करवाने को मजबूर हैं। पूरन सिंह कश्यप ने कहा कि यदि शासन की मंशा वास्तव में महिलाओं को योजना का लाभ देने की होती, तो प्रत्येक गांव में विशेष कैंप लगाकर निशुल्क केवाईसी की सुविधा उपलब्ध कराई जाती। लेकिन वर्तमान स्थिति देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार जानबूझकर ऐसी अव्यवस्थित व्यवस्था बना रही है ताकि बड़ी संख्या में महिलाएं केवाईसी न करवा पाएं और उन्हें योजना से वंचित किया जा सके। एक ओर सरकार सुशासन और जनकल्याण के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए भटकने को मजबूर हैं। शासन तिहार और प्रचार-प्रसार में व्यस्त सरकार को गरीब माताओं और बहनों की वास्तविक समस्याएं दिखाई नहीं दे रही हैं। राज्य सरकार से मांग की है कि तत्काल गांव-गांव में शिविर आयोजित कर निशुल्क केवाईसी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रदेश की कोई भी पात्र महिला महतारी वंदना योजना के लाभ से वंचित न रहे। यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो ग्रामीण स्तर पर जन आंदोलन किया जाएगा।

नगर को पेयजल व्यवस्था के लिए मिली 90 लाख की सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

नपं गीदम में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़, व्यवस्थित एवं भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू होने जा रही है। पेयजल समस्याओं को देखते हुए नगर को लगभग 90 लाख की बड़ी सौगात मिली है, जिससे नगरवासियों को आने वाले वर्षों में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

हाल ही में नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों द्वारा कलेक्टर को नगर में पेयजल की गंभीर समस्या से अवगत कराया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर देवेश ध्रुव ने गीदम नगर का दौरा किया। उन्होंने विभिन्न वार्डों, जल स्रोतों एवं पानी टंकियों का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की। नगर की वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य में संभावित जल संकट को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर द्वारा नगर पंचायत गीदम को लगभग 90 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृत राशि से नगर के विभिन्न पानी टंकियों के समीप समवेल का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही राइजिंग मेन के माध्यम से इन समवेल तक पर्याप्त मात्रा में जल पहुंचाने का कार्य भी किया जाएगा। परियोजना के तहत जल संचय क्षमता बढ़ाने, जल वितरण प्रणाली को मजबूत करने और लीकेज रोकने पर

विशेष ध्यान दिया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने के बाद गीदम नगर की पेयजल व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आएगा। अब तक नगर की जलापूर्ति काफी हद तक मौसमी जल स्रोतों और सीमित संसाधनों पर निर्भर थी। लेकिन समवेल निर्माण के बाद नगर को एक मजबूत, स्थायी एवं आत्मनिर्भर पेयजल व्यवस्था मिलेगी।

बस्तर ब्लॉक को पूर्ण साक्षर बनाने की कवायद तेज

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

कलेक्टर बस्तर के निर्देशानुसार बस्तर ब्लॉक को पूर्ण साक्षर ब्लॉक बनाने के लिए आज बीईओ भारती देवांगन एवं एबीईओ सुशील कुमार तिवारी द्वारा ब्लॉक के सभी संकुल

■ 15 वार्डों में सर्वे कराकर सुनिश्चित कराए कि कोई भी व्यक्ति निरक्षर न रहे

समन्वयकों व ग्राम प्रभारियों की बैठक ली गई।

बैठक में संकल्प लिया गया कि निर्धारित समय सीमा में ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों व वार्डों में शत-प्रतिशत असाक्षरों का सर्वे कराया जाएगा। इसके लिए ग्रामवार टीम गठित करने के

निर्देश दिए गए हैं। चिन्हांकित सभी असाक्षरों को आगामी माह में आयोजित होने वाली महापरीक्षा में शामिल कराकर साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ब्लॉक में संचालित सभी 61 संकुलों में उल्लास केंद्र का संचालन अनिवार्य रूप से करने पर जोर दिया गया।

स्वयंसेवकों द्वारा नियमित अध्यापन कराकर पढ़ना-लिखना सिखाने के निर्देश भी दिए गए अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायत के अमले से इस अभियान में सहयोग की अपील की। नगर पंचायत बस्तर के सभी 15 वार्डों में भी गहन सर्वे कराकर यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई भी व्यक्ति निरक्षर न रहे। बैठक में निर्देश दिए गए कि जो भी पंचायत या वार्ड पूर्ण रूप से साक्षर हो चुका है, वह प्रारूप-3 में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करे। इस अवसर पर ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण एवं प्राचार्य भी उपस्थित थे।

समक्ष श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नारायणपुर जिला नारायणपुर

नाम परिवर्तन हेतु शपथ पत्र

मैं उजारो बाई पिता मोटूराम पोटाई उम्र- 37 वर्ष निवासी- भाटपाल तहसील व जिला नारायणपुर राज्य छ.ग. 494661 का हूँ। शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ कि -1. यह कि मैं ग्राम- भाटपाल तहसील व जिला नारायणपुर छ.ग. 494661 का/की निवासी हूं।

2. यह कि मेरी पुत्री का नाम सदिपा **SADIPA** है। जो सत्य व सही है एवं उसके नाम से जारी जन्म प्रमाण पत्र, एवं स्कूली प्रमाण पत्र में अंकित है।

3. यह कि मेरी पुत्री के नाम से आधार कार्ड क्रमांक- **4700 1338 6704** जारी हुआ है। जिसमें मेरी पुत्री का नाम त्रुटि वश सदिया **SADIYA** लिखा गया है। जिसे मैं सुधरवाकर अपनी पुत्री का नाम सदिपा **SADIPA** लिखवाना चाहती हूं।

4. यह कि यह शपथ पत्र मेरी पुत्री के परिचय पत्र आधार कार्ड, अंकसूची एवं सभी शासकीय अर्द्धशासकीय दस्तावेजों अन्य अभिलेखों में मेरी पुत्री का नाम सदिपा **SADIPA** अंकित किये जाने बाबत शासकीय गजट में नाम परिवर्तन करने हेतु प्रकाशन किये जाने के समर्थन में प्रस्तुत है।

शपथकर्ता

सत्यापन

मैं उजारो बाई पिता मोटूराम पोटाई उम्र- 37 वर्ष निवासी- भाटपाल तहसील व जिला नारायणपुर राज्य छ.ग. 494661 शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूं कि शपथ पत्र बयान की कुल कंडिका क्रमांक 1 से 4 तक दी गई समस्त जानकारी मेरी निजी ज्ञान व विश्वास से सही व सत्य है। अतः आज दिनांक 30/03/2026 को स्थान नारायणपुर में पढ़कर व समझकर अपना हस्ताक्षर किया हूं।

उजारो बाई
शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार तोकापाल जिला बस्तर छ.ग.

रा.प्र.क्र. / क / तह. / 2025-26
तोकापाल दिनांक 21/05/2026

– उद्घोषणा –

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सुखराम मण्डावी पति हान्दो जाति माड़िया निवासी ग्राम तोकापाल तहसील तोकापाल जिला बस्तर छ.ग. के द्वारा मेरे न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसमें आवेदक अपने पुत्र श्री पवन कुमार पिता सुखराम मृत्यु तिथि 09/11/2025 दर्शाया गया है। ग्राम पंचायत मावलीभाटा के अंतर्गत है यह उद्घोषणा ग्राम पंचायत के सूचना पटल में देखा जा सकता है। अर्थात उपरोक्त आवेदन पत्र के तारतम्य में मृत्यु तिथि के संबंध में किसी व्यक्ति/ग्रामवासी/पंचायत को किसी भी तरह कोई आपत्ति है तो वह न्यायालय की पेशी तिथि 05/06/2026 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते है। पेशी पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 21/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
पेशी दिनांक 05/06/2026

मुहर

तहसीलदार
तोकापाल

न्यायालय तहसीलदार तोकापाल जिला बस्तर छ.ग.

रा.प्र.क्र. / क / तह. / 2025-26
तोकापाल दिनांक 14/05/2026

– उद्घोषणा –

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री लम्बोदर कश्यप पिता पुरन राम कश्यप जाति मुरिया निवासी ग्राम डिमरापाल तहसील तोकापाल जिला बस्तर छ.ग. के द्वारा मेरे न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसमें आवेदक अपने श्री पुरन राम कश्यप पिता महादेव की मृत्यु तिथि 7/11/2019 दर्शाया गया है। ग्राम पंचायत डिमरापाल के अंतर्गत है यह उद्घोषणा ग्राम पंचायत के सूचना पटल में देखा जा सकता है। अर्थात उपरोक्त आवेदन पत्र के तारतम्य में मृत्यु तिथि के संबंध में किसी व्यक्ति/ग्रामवासी/पंचायत को किसी भी तरह कोई आपत्ति है तो वह न्यायालय की पेशी तिथि 28/05/2026 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते है। पेशी पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

उद्घोषणा आज दिनांक 14/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
पेशी दिनांक 28/05/2026

मुहर

तहसीलदार
तोकापाल

खबर संक्षेप

सेना भर्ती परीक्षा 1 जून से शुरू होगी ऑनलाइन

जगदलपुर। रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सेना द्वारा ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस एग्जाम की तिथियां घोषित कर दी गई है। विभिन्न श्रेणियों के लिए आयोजित होने वाली यह ऑनलाइन परीक्षा आगामी 1 जून से शुरू होकर 12 जून तक चलेगी, जिसे दो अलग-अलग चरणों (1 जून से 5 जून और फिर 8 जून से 12 जून) में पूरा किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के अभ्यर्थियों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए इस बार राज्य के पांच प्रमुख शहरों भिलाई, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर में कुल 10 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां प्रतिदिन तीन से चार शिफ्टों में परीक्षा का आयोजन सुचारू रूप से किया जाएगा।

छूटे खसरा नंबरों को जोड़ने में जुटा राजस्व अमला

जगदलपुर। राज्य शासन ने कृषि और राजस्व तकनीक को बढ़ावा देने वाले एग्रीस्टेक पोर्टल में विशेष श्रेणी के किसानों को जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान शुरू किया है। अब विशेष श्रेणी के छूटे हुए खसरों और कम्पार्टमेंट नंबरों को अपडेट फार्मर रिक्वेस्ट के माध्यम से पोर्टल में शामिल करने की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस कल्याणकारी पहल का सीधा लाभ वन अधिकार पट्टाधारियों, डुबान क्षेत्र के कृषकों, शासकीय पट्टेदारों, ग्राम कोटवारों सहित अधिया या रेगहा पर खेती करने वाले किसानों को मिलेगा। इस नई व्यवस्था के अंतर्गत ऐसे किसान जिनके पास पहले से ही एग्रीस्टैक आईडी (फार्मर आईडी) उपलब्ध है, लेकिन उनके कुछ खसरे या कम्पार्टमेंट नंबर पोर्टल पर दर्ज होने से छूट गए थे, उन्हें अब इस प्रक्रिया के माध्यम से आसानी से जोड़ा जा सकेगा। इसके लिए भुइयां पोर्टल के तहसील और जिला लॉगिन के जरिए पंजीयन हेतु शेष बचे खसरों और कम्पार्टमेंट नंबरों का सूक्ष्मता से अवलोकन करते हुए यथाशीघ्र पंजीयन पूर्ण करने को कहा गया है।

मछली पालन बना आजीविका का बड़ा साधन, 51 तालाबों से दूर हो रहा कुपोषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

तोकापाल में महिलाओं ने लिखी स्वावलंबन की नई कहानी

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन और मुख्य वन संरक्षक के निर्देशानुसार बस्तर वनमंडल द्वारा वनांचल क्षेत्रों में एक बेहद सफल अभियान चलाया जा रहा है। बस्तर वन मंडलाधिकारी के नेतृत्व में शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य स्थानीय ग्रामीणों को आजीविका से जोड़ना, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना और क्षेत्र को कुपोषण से मुक्त बनाना है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत बस्तर वन मंडल की 9 वन प्रबंधन समितियों के सहयोग से 51 तालाबों में मछली बीज (रोहू, कतला और सामान्य प्रजाति) का किया गया था। वन विभाग और ग्रामीणों की संयुक्त देखरेख के अब धरातल पर बेहद उत्साहजनक और अनुकरणीय परिणाम सामने आने लगे हैं। तोकापाल क्षेत्र में विभाग द्वारा निर्मित कराए गए तालाब के प्रबंधन की जिम्मेदारी स्थानीय महिला स्व-सहायता समूह को सौंपी गई थी, दो वर्ष पूर्व डाले गए मछली बीजों से महिलाओं ने आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल पेश की है। शुरूआती चरण में ही समूह को 40 हजार रुपए की शुद्ध आय प्राप्त हुई थी। मछलियों के बड़े होने और बेहतर बाजार मिलने से इस चालू सीजन में समूह को लगभग एक लाख रुपए के शुद्ध लाभ की उम्मीद है। इस आय से आदिवासी महिलाओं की आर्थिक स्थिति तेजी से मजबूत हो रही है। वर्तमान में कोलावाड़ा, पोटियापाल, एरखोर, बीरंनपाल, बोदामुंडा, चिलकुटी, तोलावाड़ा, पुलचा, धनपुंजी, पूर्व माकड़ी, बकावंड, तीरिया, चोकावाड़ा और जीरागांव समेत कुल 51 तालाबों में फिंगर लिंग्स (मछली बीज) संवर्धन की सघन मॉनिटरिंग की जा रही है। यह पूरा कार्य एसडीओ, परिक्षेत्र अधिकारियों और मैदानी स्टाफ के कड़े पर्यवेक्षण में गुणवत्ता के साथ संचालित हो रहा है।

प्रोटीनयुक्त आहार की बढ़ी उपलब्धता

बताया जा रहा है कि यह योजना केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर के अंदरूनी इलाकों में कुपोषण उन्मूलन और खाद्य सुरक्षा के लिए संजीवनी साबित हो रही है। स्थानीय स्तर पर प्रोटीन युक्त आहार (मछली) की उपलब्धता बढ़ने से वनांचल के बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य स्तर में उल्लेखनीय सुधार आ रहा है।

आय बढ़ाने के साथ पोषण सुरक्षा भी

बस्तर के वन मंडलाधिकारी उत्तम कुमार गुप्ता ने बताया कि वन मंत्री की मंशानुरूप बस्तर के वनांचलों में जल संरचनाओं को ग्रामीणों की आजीविका का केंद्र बनाना हमारा मुख्य लक्ष्य है। तोकापाल की महिला समूह को होने वाला यह मुनाफा साबित करता है कि वन प्रबंधन समितियां अब वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। 51 तालाबों की यह सामूहिक मुहिम ग्रामीणों की आय बढ़ाने के साथ-साथ वनांचल में पोषण सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी।

सोलर पंप लगाने तीन हजार रुपए की मांग, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

कोड़ेनार रामापारा में हैंडपंप सूखे, कोसों दूर से पानी लाने को मजबूर महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे के पदाधिकारियों ने ग्राम पंचायत कोड़ेनार 2 रामापारा पहुंचकर ग्रामीणों की पानी संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुना एवं स्थिति का निरीक्षण किया।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लगा सोलर नल निकालकर ले जाया गया है और उसे पुनः लगाने के नाम पर 3000 रुपये की मांग की जा रही है। वर्तमान में लगभग 30 परिवार केवल एक बोरिंग के सहारे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। पानी की भारी कमी के कारण गांव के पुरुषों को नहाने के लिए लगभग 3 किलोमीटर दूर पहाड़ के नीचे जाना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि समस्या को लेकर कई बार सरपंच को अवगत कराया गया, लेकिन "चंदा करो तभी बनवाऊंगा" कहकर जिम्मेदारी से बचने का प्रयास किया गया। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी और आक्रोश व्याप्त है।

बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल गांव की पेयजल व्यवस्था दुरुस्त कर ग्रामीणों को राहत पहुंचाई जाए। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो ग्रामीणों के साथ मिलकर आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान चित्रकोट विधानसभा अध्यक्ष कमल बघेल, जिला महामंत्री संतु कश्यप, युवा अध्यक्ष सूरज कश्यप, बास्तनार ब्लॉक अध्यक्ष विजय कवासी, कोषाध्यक्ष जायमों वेंजाम, मासों राम पोयम, बुधराम सोढ़ी, सुनील पोयम, मानु कवासी, राजू सोढ़ी, फगनू पोयम, माडा पोयम, कुमा कोवासी, मुंडरी कोवासी, संपत सोढ़ी, पाकली पोयामि, पायाको कोवासी, लचनी सोढ़ी, जुगलो पोयामी, मंगू कोवासी सहित अन्य भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की मांगे

गांव में हटाए गए सोलर नल को तत्काल पुनः स्थापित किया जाए, पेयजल संकट को देखते हुए अतिरिक्त बोरवेल एवं जलस्रोत की व्यवस्था की जाए, ग्रामीणों से अवैध रूप से 3000 रुपये मांगने वालों की जांच कर कार्रवाई की जाए, गांव के सभी खराब हैंडपंप एवं जलस्रोतों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, गर्मी के मौसम में नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, पंचायत एवं संबंधित अधिकारियों की लापरवाही की जांच की जाए।

विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों के जरिए मिला व्यावहारिक ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

क्रांतिकारी डेवरीधुर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल एवं कार्यानुभव प्रदान करने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ संपन्न कराई गईं। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. जी.पी. नाग, डॉ. आर. के. देवांगन एवं डॉ. अग्निभ हालदार के संयुक्त नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा उद्यानिकी फसलों एवं पौधों के उत्पादन से संबंधित विभिन्न कार्य किए गए। इन कार्यों में पौध उत्पादन, रोपण, सिंचाई, देखभाल, तुड़ाई, छंटाई, ग्रेडिंग, पैकिंग तथा विपणन जैसी गतिविधियाँ शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने फलों एवं पौधों के उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से सीखते हुए कार्य किया, जिससे उन्हें उत्पादन से लेकर विपणन तक का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ।

- डेवरीधुर उद्यानिकी महाविद्यालय में अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम के अंतर्गत लीची फल की सफलतापूर्वक तुड़ाई की गई, जिसके पश्चात मॉड्यूल ग्रुप 'ए' के विद्यार्थियों द्वारा फल प्रेमियों तक लीची उपलब्ध कराई गई। इसके अतिरिक्त पौध उत्पादन कर समाजहित में विभिन्न स्थानों पर वितरण भी किया गया, जिसमें अस्पतालों एवं अन्य संस्थानों में पौधरोपण हेतु पौधे प्रदान किए गए।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र में उत्पादन, प्रबंधन, विपणन तथा सामाजिक सेवा से संबंधित व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। इससे विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, कार्यकुशलता, नेतृत्व क्षमता एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है।

जनगणना में ओबीसी कॉलम गायब रखना पिछड़ों का हक मारने की साजिश : चौधरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

नगर निगम नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने जारी बयान में कहा कि भाजपा का यह कदम दरअसल कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस 'विजन' और 'न्याय संकल्प' की बहुत बड़ी जीत है, जिसके लिए उन्होंने कन्याकुमारी से कश्मीर और मणिपुर से मुंबई तक हजारों किलोमीटर की यात्राएं कीं और संसद के भीतर व बाहर लगातार आवाज उठाई। राहुल गांधी ने पहले ही देश के सामने यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत के सर्वांगीण विकास, सामाजिक न्याय की स्थापना और योजनाओं के सही क्रियान्वयन के लिए 'जातिगत जनगणना' बेहद जरूरी है। आज भाजपा सरकार को न चाहते हुए भी कांग्रेस की इस जनहितैषी मांग के आगे घुटने टेकने पड़े हैं।

उन्होंने कहा कि एक तरफ तो भाजपा जाति जनगणना का ढोंग कर रही है, वहीं दूसरी तरफ इस पूरी प्रक्रिया से ओबीसी 'अन्य पिछड़ा वर्ग का कॉलम ही गायब कर दिया गया है। इस देश की आधी से अधिक आबादी के साथ बहुत बड़ा धोखा करार दिया। जनगणना के फॉर्म में ओबीसी वर्ग के लिए अलग से कॉलम न रखना बेहद निंदनीय, संदेहास्पद और दुर्भाग्यपूर्ण है।

पूर्व कांग्रेस सरकार पर असहयोग का आरोप निराधार : मौर्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिला कांग्रेस के शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि बस्तर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की एक हाई-प्रोफाइल बैठक की गई। बैठक में गृहमंत्री अमित शाह के साथ चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक के नतीजों पर असंतोष जताते उन्होंने कहा कि इतने बड़े आयोजन के बाद भी बस्तर के हाथ खाली रहे। बस्तर की जमीनी समस्याओं रोजगार, शिक्षा, और स्वास्थ्य के लिए कोई ठोस या बड़ा फैसला नहीं लिया गया। बस्तर जैसे आदिवासी और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में बड़ी बैठक होने से स्थानीय लोगों, युवाओं को बड़े पैकेज, बुनियादी ढांचे के विकास या किसी बड़े उद्योग की घोषणा की उम्मीद थी। किंतु ग्रामीणों को सिर्फ एक गाय और एक भैंस का दिलासा ही मिल पाया जो दुर्भाग्यपूर्ण है। मौर्य ने कहा कि 50 सालों से नक्सल दंश झेल रहे बस्तर की जनता के जख्मों पर मरहम लगाने के बजाय, भाजपा नेता राजनीतिक रोटियां सेकने के लिए भ्रामक दावे कर रहे हैं। उन्होंने कहा रमन सरकार के 15 साल की सरकार में नक्सलवाद का दायरा बढ़ा। नक्सली शहरी सीमाओं और ब्लॉक मुख्यालयों तक पहुंच गए।

कर्मचारियों के साथ पदोन्नति में हो रहा पक्षपात

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल आरक्षित वर्ग अधिकारी, कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा वर्ष 2023 में जगदलपुर जोन, अंबिकापुर जोन व केंद्रीय जोन विभाजित किया गया, जिसके कारण पूर्व की भांति जगदलपुर क्षेत्र अंतर्गत कई कर्मचारी उक्त अवधि में पदोन्नति से वंचित हुए। उक्त जोन विभाजन के आदेश में कार्यालय सहायक श्रेणी-एक से अनुभाग अधिकारी के पदोन्नति की कार्यवाही के अंतर्गत क्षेत्रीय चयन समिति की अनुशंसा अनुसार अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति के प्रस्ताव पर प्रबंध निदेशक डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अनुमोदन के उपरांत आदेश जारी करने की कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं, जो वर्तमान में भी प्रभावशील हैं। इसके बावजूद भी जगदलपुर क्षेत्र के कार्यालय सहायक श्रेणी-एक से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नति हेतु प्रेषित पैनल पर प्रबंधन द्वारा स्वीकृति नहीं दी जा रही है, जिससे एक ही कंपनी में क्षेत्रवाद को बढ़ावा देने की स्थिति उत्पन्न होती है। पूर्ववर्ती मण्डल, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में वर्ष 2023 के पूर्व तृतीय वर्ग तक के प्रमोशन, पैनल का निर्धारण क्षेत्रीय स्तर से किया जाता रहा है।

नाम समर स्पेशल, काम आंदोलन स्पेशल : नवनीत

जगदलपुर। बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा के मुख्य संयोजक एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर संभाग अध्यक्ष नवनीत चांद ने बस्तर से दिल्ली के लिए चलाई गई तथाकथित "समर स्पेशल ट्रेन" को लेकर केंद्र सरकार, राज्य सरकार, रेलवे मंत्रालय, रेलवे प्रशासन, स्थानीय सांसद एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष गंभीर संवैधानिक, कानूनी और नैतिक प्रश्न खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 1440 लोग बिना नियमित टिकट प्रक्रिया के दिल्ली रवाना हुए, जबकि आम नागरिक टिकट के लिए परेशान होते रहे। पहले इस ट्रेन को "समर स्पेशल" के रूप में प्रचारित किया गया, लेकिन बाद में इसे किसी विशेष संगठन, आंदोलन हेतु आरक्षित ट्रेन बताया गया। यह पूरा मामला रेलवे प्रशासन की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़ा करता है।

नवनीत चाँद ने कहा कि भारतीय रेलवे देश की जनता की संपत्ति है, किसी राजनीतिक दल, संगठन या आंदोलन की निजी व्यवस्था नहीं। यदि किसी विशेष उद्देश्य से ट्रेन संचालित की गई थी, तो इसकी जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई? यदि यह "समर स्पेशल" थी, तो आम यात्रियों के लिए टिकट उपलब्ध क्यों नहीं कराए गए? उन्होंने कहा कि यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 14 "समानता के अधिकार" से जुड़ा हुआ विषय है। जब आम नागरिक टिकट के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब हजारों लोगों को विशेष व्यवस्था के तहत यात्रा कराने की खबरें लोकतांत्रिक व्यवस्था और सार्वजनिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं।